

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया वीसी ने जारी किया जर्नल "तदरीस नामा"

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर (पद्मश्री) ने आज एकेडमी ऑफ प्रोफेशनल डेवलपमेंट ऑफ उर्दू मीडियम टीचर्स (एपीडीयूएमटी), जामिया के जर्नल 'तदरीस नामा' का 9वां अंक जारी किया।

उन्होंने व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करने वाले एक अच्छे जर्नल के प्रकाशन के लिए अकादमी के अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अंक में शामिल लेखों को पढ़कर उर्दू शिक्षक आत्मज्ञान हासिल करेंगे।

प्रोफेसर अख्तर ने कहा कि उर्दू भाषा और साहित्य को बढ़ावा देना जामिया के मुख्य उद्देश्यों में से एक है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है और अकादमी को अपना दायरा बढ़ाने की भी जरूरत है।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि अकादमी ने हाल ही में एससीईआरटी दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है और यह समय की मांग है कि उसे अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों के एससीईआरटी के साथ भी समझौते पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अकादमी को अकादमिक पुस्तकों के अनुवाद पर भी ध्यान देने की जरूरत है जो शिक्षकों को उर्दू में विभिन्न विषयों को पढ़ाने में मददगार होगी।

अकादमी के मानद निदेशक प्रो शहजाद अंजुम ने कहा कि अकादमी का उद्देश्य उर्दू माध्यम के शिक्षकों के शिक्षण कौशल का संवर्द्धन करना, शिक्षण सामग्री, पाठ्यक्रम और संदर्भ पुस्तकें तैयार करना है। उन्होंने कहा कि "तदरीस नामा" इसी शृंखला की एक कड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि अकादमी अपने मूल उद्देश्यों के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और कुलपति के संरक्षण में अपने कर्तव्यों को हर संभव तरीके से निभाने का प्रयास कर रही है।

"तदरीस नामा" के वर्तमान अंक में गज़ल, कविता, कसीदा, मसनवी, रुबाई, कहानी, उपन्यास, कथा, रेखाचित्र, नाटक और शोकगीत की शिक्षा से संबंधित लेख शामिल हैं। ADUMT, इसके अलावा छात्रों, शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करता है और स्कूल स्तर पर कविताओं और गद्य के शिक्षण के रूप में भाषा शिक्षण की समस्याओं को कम करते हुए संचार कौशल विकसित करने में योगदान देता है।

एपीडीयूएमटी के संकाय सदस्य डॉ. वाहिद नज़र ने कार्यक्रम का संचालन किया जो औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया